अभ्यास पुस्तिका
उर्दू कैसे लिखें

गोपी चंद नारंग

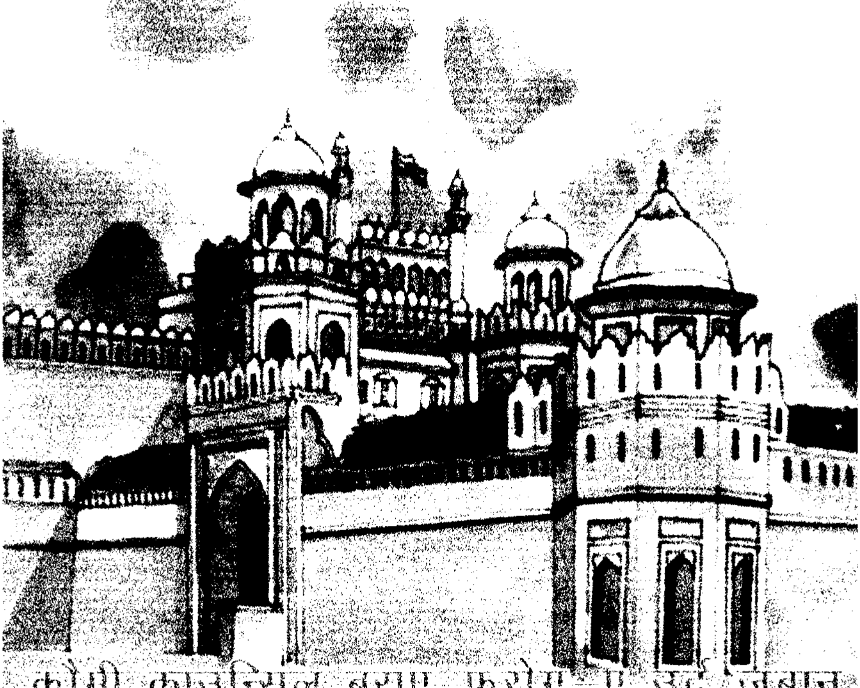

कौमी काउन्सिल बराए फ़रोग़-ए उर्दू ज़बान

अभ्यास पुस्तिका

उर्दू कैसे लिखें

अभ्यास पुस्तिका

उर्दू कैसे लिखें

उर्दू लिपि सीखने की बुनियादी किताब

गोपी चंद नारंग

क़ौमी काउंसिल बराए फ़रोग़-ए-उर्दू ज़बान
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार
पश्चिम खंड नं० 1, विंग नं० 6, आर. के. पुरम, नई दिल्ली-110066

© कौमी काउंसिल बराए फ़रोग़-ए-उर्दू ज़बान

प्रथम संस्करण : दिसम्बर, 2000
द्वितीय पुनर्मुद्रण : दिसम्बर, 2009
कापियाँ : 1100
मुल्य : रू० 30/-
पब्लिकेशन सं० : 863

अभ्यास पुस्तिका

उर्दू कैसे लिखें

उर्दू लिपि सीखने की बुनियादी किताब

गोपी चंद नारंग

कौमी काउंसिल बराए फ़रोग़–ए–उर्दू ज़बान
पश्चिम खंड नं० 1, विंग नं० 6, आर. के. पुरम, नई दिल्ली-110066
मुद्रणः हाईटेक ग्राफिक्स, 167/8 सोना प्रिया चैम्बर्स, जुलैना, नई दिल्ली-110025
इस पुस्तक की छपाई 70 GSM, TNPL Maplitho पेपर पर की गई है।

प्राक्कथन

क़ौमी काउन्सिल बराए फ़रोग़-ए-उर्दू ज़बान, उर्दू भाषा के विकास, विस्तार एवं प्रचार के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार का उत्तरदायी संस्था है। क़ौमी उर्दू काउन्सिल का मुख्य उद्देश्यः (1) उर्दू भाषा को प्रोत्साहन देना, उसके विकास एवं प्रसार के लिए कार्य करना। (2) ऐसे कार्य करना जिनसे उर्दू भाषा में वैज्ञानिक एवं टेक्नॉलोजी सम्बन्धी ज्ञान उपलब्ध हो, तकनीकी विकास हो और आधुनिक युग के नवीन विचारों को प्रोत्साहन मिले। (3) उर्दू भाषा और शिक्षा से सम्बन्धित मामलों में भारत सरकार को परामर्श देना। (4) उर्दू भाषा को बढ़ावा देने के लिए अन्य ऐसे कार्य करना जिन्हें क़ौमी उर्दू काउन्सिल उर्दू के विकास के लिए उचित समझे। इसके साथ ही काउन्सिल का यह भी उत्तरदायित्व है कि उर्दू के माध्यम से शिक्षा का विकास गुणवत्ता के साथ राष्ट्रीय स्तर पर हो।

उर्दू भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में राष्ट्रीय भाषा के रूप में सम्मिलित किया गया है। ऐसे बहुत से देशवासी हैं जो उर्दू भाषा जानते-बोलते हैं, परन्तु वे उसकी लिपि से अनभिज्ञ हैं। आशा है, कि प्रो. गोपी चन्द नारंग द्वारा लिखी गई यह पुस्तक, भारत की इस सुंदर लिपि-उर्दू को सीखने के सभी इच्छुक जनों के लिए अति उपयोगी सिद्ध होगी।

डा.एम. हमीदुल्लाह भटट्
निदेशक

प्रस्तावना

उर्दू लिपि सीखने की यह बुनियादी किताब उन लोगों के लिए है जो हिन्दी, उर्दू बोल तो सकते हैं लेकिन उर्दू लिपि नहीं जानते और कम से कम समय में उर्दू लिखना सीखना चाहते हैं। यह किताब दूरस्थ पद्धति द्वारा स्वत: शिक्षण के लिए तैयार की गई है। इसमें वर्णो और लिपि संबंधित बुनियादी धारणाओं से धीरे धीरे और क्रमबद्ध चरणों में परिचय कराया गया है। शब्दों और वाक्यों को बार बार दोहराया गया है ताकि वे शिक्षार्थी के मन में बैठ जाएँ। इस बुनियादी किताब के साथ एक अभ्यास पुस्तिका भी प्रस्तुत की जा रही है जिसमें अन्य संबंधित विषयों को और स्पष्ट किया गया है। शिक्षार्थी को पाठ दिए गए क्रम से पढ़ने चाहियें और उनसे संबंधित अभ्यास कार्य भी साथ साथ अभ्यास पुस्तिका में पूरे करने चाहियें। अभ्यास पुस्तिका में पठन और लेखन संबंधी अभ्यास कार्य काफ़ी मात्र में हैं जिनको अगर ठीक से पूरा किया जाए तो उर्दू लिपि सीखना न केवल आसान लगेगा बल्कि उसमें मज़ा भी आएगा।

उर्दू लिपि का परिचय वैज्ञानिक विधि से क्रमबद्धतानुसार कराया गया है। उर्दू वर्णमाला सीखने का इच्छुक जो इसे परम्परानुसार दिए गए क्रम में सीखना चाहता है उसके लिए एक तालिका में परम्परागत क्रम भी दिया गया है। इसके अतिरिक्त उर्दू वर्णमाला का परिचय धीरे धीरे सुव्यवस्थित क्रमबद्ध तरीक़े से कराया गया है। उर्दू के वर्ण दो प्रकार के हैं, संयोजक और असंयोजक। पाठ में पहले असंयोजक वर्णो से अवगत कराया गया है जो सीखने में सरल हैं। इसी तरह सरल संयोजित वर्णो से भी आरंभ में परिचय कराया गया है। उन संयोजित वर्णों और नियमों को, जो तुलना में कुछ कठिन हैं, उनसे परिचय बाद में कराया गया है। सीखने का इच्छुक अगर पाठों को क्रमानुसार पढ़े और साथ ही निर्देशानुसार पठन और लेखन का अभ्यास करे तो उसे

उर्दू लिपि सीखने में कोई कठिनाई नहीं होगी। कोशिश की गई है कि उर्दू के वर्णों का परिचय वस्तुओं के नामों और उनके चित्रण के साथ दिया जाए ताकि लिपि सीखना रोचक और कम बोझिल हो जाए।

आरंभ में ही उर्दू लिपि के बारे में कुछ ज़रूरी बातें भूमिका में समझा दी गई हैं। शिक्षार्थी को चाहिए कि वह इसे पाठ्य पुस्तक का अध्ययन करने से पहले ज़रूर पढ़ ले, यद्यपि लिपि संबंधित सब की सब धारणाएँ तो सभी पाठ और अभ्यास पूरा करने के बाद ही स्पष्ट होंगी। वास्तव में लिपि का परिचय प्रथम बारह पाठों में करा दिया गया है। इस प्रकार अगर सीखने वाला एक सप्ताह में एक पाठ में पारंगत हो सकता है तो उर्दू लिपि को पूर्णतया वह तीन महीनों में सीख सकता है। याद रहे कि प्रेरणा और सामर्थ्य का सीखने की प्रक्रिया में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। शिक्षार्थी को सलाह दी जाती है कि लिखने का अभ्यास अधिकतम करे क्योंकि पठन को लेखन ही मज़बूत करता है।

पाठ्य पुस्तक में नए वर्ण और उनके संयोजित रूप लाल खानों में दर्शाए गए हैं। इनको बार बार दोहराया गया है ताकि पाठ के अंत तक पहुँचते पहुँचते शिक्षार्थी नए तत्वों को सरलता से पहचान सके और पढ़ सके। परिपक्वता के लिए हर पाठ के अंत में नए वर्ण और उनके संयोजित रूपों की तालिका एक बार फिर दर्शायी गई है।

उर्दू वर्णों के नाम खानों के ऊपर दिए गए हैं और उनकी ध्वनि नीचे। उर्दू लिपि में कई द्विक और त्रिक वर्ण हैं, जहाँ एक वर्ण एक से अधिक ध्वनियों का सूचक बनता है। इसी तरह एक ध्वनि के लिए एक से ज़्यादा अक्षर भी हैं। उल्लेख के लिए उर्दू वर्णमाला की संपूर्ण तालिका भी दी गई है। इसके इलावा उर्दू की स्वर व्यवस्था, लिपि के अन्य चिह्न, वर्णमाला का परम्परागत क्रम और उर्दू के विभिन्न वर्णों के रूप और जोड़ों की तालिकाएं भी प्रस्तुत कर दी गई हैं। ये सब

पढ़ने की प्रक्रिया में उपयोगी सिद्ध होंगी।

अभ्यास पुस्तिका में अभ्यास और उत्तर भरने के लिए आसमानी रंग के ख़ानों को प्रयोग में लाया गया है। लिखने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए तीरों द्वारा दिशा निर्देश दिए गए हैं। नए शब्दों और वाक्यों को बिंदुओ के रूप में लिखा गया है ताकि पेंसिल चलाकर अच्छी तरह अभ्यास करने में आसानी हो।

प्रस्तुत पाठ्य पुस्तक की उर्दू सामग्री राष्ट्रीय शैक्षिक एवं अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्रकाशित मेरी पुस्तक *"उर्दू की नई किताब"* से अपनाई गई है। उल्लेखित पुस्तक व्यापक रूप से भारत की कई स्कूली प्रणालियों में पढ़ाई जा रही है। मैं डॉ. एम. हमीदुल्लाह भट, निदेशक, एन.सी.पी.यू.एल., तथा कार्य समिति के सभी सदस्यों को धन्यवाद देना चाहूँगा जिनके सहयोग ही से प्रस्तुत प्रॉजेक्ट समय पर पूरा हो सका।

नई दिल्ली
मार्च, 2001 — गोपी चंद नारंग

विषय सूची

प्राक्कथन		5
प्रस्तावना		7
भूमिका : उर्दू लिपि		13
उर्दू वर्णमाला एवं उसकी लिप्यंतरण विधि		19
उर्दू वर्णों का क्रम		22
अभ्यास पाठ 1	آم	25
अभ्यास पाठ 2	دس رس	29
अभ्यास पाठ 3	ڈول	33
अभ्यास पाठ 4	آب ۔آپ رات بات	37
अभ्यास पाठ 5	پان تان ڈاک تاک	41
अभ्यास पाठ 6	آج تاج آگ جاگ	47
अभ्यास पाठ 7	درزی آیا	53
अभ्यास पाठ 8	اب گھر چل	57
अभ्यास पाठ 9	لو رُت بدلی	61
अभ्यास पाठ 10	سورج ڈوبا رات ہوئی	67
अभ्यास पाठ 11	میلے کی سیر	73
अभ्यास पाठ 12	ہماری راج دھانی	77
अभ्यास पाठ 13	عید مبارک	81
अभ्यास पाठ 14	اردو حروف	87
अभ्यास पाठ 15	سارے جہاں سے اچھا	93
उर्दू वर्णों के विभिन्न आकारों की तालिका		95
उर्दू के स्वर चिह्न, विराम चिह्न आदि और विशेषक चिह्न		97

भूमिका
उर्दू लिपि

उर्दू एक भारतीय-आर्यायी (Indo-Aryan) भाषा है। इसकी लिपि फ़ारसी अरबी से आई है परन्तु इसमें कुछ ऐसे परिवर्तन हुए हैं जो महाप्राणता, मूर्धन्यता और अनुनासीकरण को व्यक्त करते हैं। यह लिपि प्रवाही लेखन लिपि है। इसकी एक विशेषता है कि इस लिपि में आम तौर से लघु स्वर नहीं दर्शाए जाते परन्तु नीचे या ऊपर विशेषकं चिह्न देकर व्यक्त किये जा सकते हैं। एक और महत्वपूर्ण लक्षण यह भी है कि इसके वर्णो में एक ही ध्वनि को दर्शाने के लिए द्विक और त्रिक वर्ण विद्यमान हैं। इन वर्णो का प्रयोग इसलिए भी ज़रूरी है क्योंकि अरबी फ़ारसी में यह अर्थपूर्ण हैं। उर्दू लिपि दाएँ से बाएँ लिखी जाती है। लिपि के वर्ण दो प्रकार के हैं : जुड़ सकने वाले (संयोजित) और न जुड़ सकने वाले (असंयोजित)। शब्द या अक्षर में जुड़ सकने वाले अगले वर्ण के साथ जुड़ जाते हैं जबकि न जुड़ सकने वाले वर्ण आगामी वर्ण के साथ नहीं जोड़े जा सकते अपितु सभी वर्ण अपने से पहले आने वालों के साथ जुड़ सकते हैं। उर्दू लिपि लिखने और छापने की आम शैली को नसतालीक़ अर्थात ख़ूबसूरत कहते हैं। क्योंकि यह लिपि प्रवाहगत है, इसलिए इसके बहुत से वर्णो के तीन रूप हैं, आरंभिक - जब वह शुरू में आते हैं, मध्य - जब वह मध्य में आते हैं, तथा अंतिम - जो शब्द के अंत में जोड़े जाते हैं। अंतिम अजोड़ रूप वही होता है जो वर्ण का बुनियादी रूप है।

उर्दू लिपि के वर्णो के चारों रूप एक तालिका में किताब के अंत में संदर्भ के तौर पर दे दिये गये हैं।

स्वर

उर्दू में दीर्घ स्वर अलिफ़ (ا), अलिफ़ मद (آ), वाव (و), छोटी ये

(ی) और बड़ी ये (ے) द्वारा व्यक्त किये जाते हैं। शब्दारंभ में अलिफ़ के ऊपर लगाया जाने वाला मद दीर्घ /आ/ का सूचक है। ये और वाव जब आरंभ में आते हैं तो अर्ध स्वर /य/ और /व/ के द्योतक बनते हैं, जैसे, यहाँ (یہاں) और वहाँ (وہاں)। वाव (و), छोटी ये• (ی) और बड़ी ये (ے) अन्य संदर्भों में दीर्घ स्वर के सूचक हैं, इनका विवरण नीचे दिया गया है :

वाव और ये

उर्दू में वाव (و) चार निम्नलिखित ध्वनियों को दर्शाता है, जैसे :

جَو	جُو	جو	وہاں
वहाँ	जो	जू	जौ

शब्दारंभ में वाव ये की तरह अर्ध स्वर के रूप में आता है, जैसे, शब्द وہاں /वहाँ/ में। परन्तु शब्द के मध्य और अंत में वाव तीन दीर्घ स्वरों का प्रतीक होता है, जैसे, /ओ/, /ऊ/ अथवा /औ/। दीर्घ /ऊ/ की ध्वनि व्यक्त करने के लिए वाव को उल्टे पेश (ٗ) के साथ दर्शाया जाता है; /औ/ ध्वनि को व्यक्त करने के लिए वाव को पूर्ववर्ती ज़बर (َو) के साथ दर्शाया जाता है; और अचिह्नित वाव (و) /ओ/ ध्वनि को दर्शाता है जैसा कि उपरोक्त उदाहरणों में दिखाया गया है।

इसी तरह उर्दू में ی/ے (यि) भी नीचे प्रस्तुत की गई चार ध्वनियों को दर्शाता है :

یہاں	میرا	مِیرا	مَینا
यहाँ	मेरा	मीरा	मैना

शब्दारंभ में ये भी वाव की तरह अर्ध स्वर का द्योतक बनता है, उदारहण- یہاں /यहाँ/। परन्तु शब्द के मध्य और अंतिम स्थानों में

यह विभिन्न तीन स्वरों /ए/, /ई/ और /ऐ/ को दर्शाता है। /ई/ ध्वनि के लिए ये खड़े ज़ेर के साथ आता है जैसे, مِیرا /मीरा/; /ऐ/ ध्वनि दर्शाने के लिए ये को पूर्ववर्ती ज़बर के साथ प्रयोग में लाया जाता है, जैसे, مَینا /मैना/; जबकि /ए/ ध्वनि अचिह्नित ये के साथ दर्शाई जाती है, जैसे, میرا /मेरा/।

ह्रस्व स्वर

उर्दू में ह्रस्व स्वर वर्णों के ऊपर या नीचे विशेषक चिह्न लगा कर दिखाये जाते हैं :

- ـَـ वर्ण के ऊपर लगे चिह्न को 'ज़बर' कहते हैं और यह आगामी /अ/ का सूचक है।
- ـِـ वर्ण के नीचे लगे चिह्न को 'ज़ेर' कहते हैं और यह आगामी /इ/ को दर्शाता है।
- ـُـ वर्ण के ऊपर आये चिह्न को 'पेश' कहते हैं और यह आगामी ह्रस्व /उ/ को दर्शाता है।

जब अलिफ़ किसी शब्द या अक्षर के आरंभ में आता है तो इसका मतलब है कि वह शब्द या अक्षर स्वर से आरंभ होता है। वाँछित ह्रस्व स्वर को ज़ेर, ज़बर और पेश से दिखाया जाता है, जैसे, اِس, اَب, اُن; अपितु ह्रस्व स्वर केवल उस समय जब ज़रूरी हों तब लगाए जाते हैं। आम तौर पर उर्दू पाठक अपनी ज़बान को ह्रस्व स्वरों के बिना ही पढ़ सकते हैं। उर्दू स्वरों की तालिका किताब के अंत में संदर्भ के लिए दे दी गई है।

नून गुन्ना, दो चश्मी हे और हम्ज़ा

निम्नलिखित तीन वर्ण हालाँकि परम्परानुसार उर्दू वर्णमाला में नहीं दर्शाए जाते लेकिन इनका सीखना आवश्यक है :

1. नून ग़ुन्ना (ں) अर्थात बिना नुक़्ते का नून स्वर की अनुनासिकता का सूचक है, जैसे جاؤں /जाऊँ/; अपितु शब्द के मध्य में अनुनासिकता पूरे नून से दर्शाई जाती है अथार्त नुक़्ते के साथ, जैसे اونٹ /ऊँट/।

2. दो चश्मी हे (ھ) उर्दू का एक विशेष लक्षण है, और यह महाप्राणता का सूचक है, जैसे گھوڑا /घोड़ा/, تھوڑا /थोड़ा/।

3. अरबी में हम्ज़ा कंठ के निचले भाग से उच्चरित होता है परन्तु उर्दू लेखन में इसका प्रयोग आमतौर पर शब्द में प्रयुक्त दो स्वरों के साथ साथ होने का सूचक है। इसके अतिरिक्त उर्दू में इस चिह्न की अपनी अलग से कोई ध्वनि नहीं है।

द्विक आदि चिह्न

निम्नलिखित वर्ण उर्दू की एक ही ध्वनि के सूचक हैं :

(1) ते (ت) और तोए (ط) दोनो /त/ ध्वनि के सूचक हैं।

(2) से (ث), सीन (س) और स्वाद (ص) /स/ ध्वनि के सूचक हैं।

(3) छोटी हे (ہ) और बड़ी हे (ح) दोनों /ह/ ध्वनि के सूचक हैं।

(4) ज़ाल (ذ), ज़े (ز), ज़्वाद (ض) और ज़ोए (ظ), यह चारों /ज़/ ध्वनि के सूचक हैं।

ऐन (ع)

ऐन (ع) जो अरबी भाषा में कंठ के निचले भाग से उच्चरित संघर्षी व्यंजन हैं, उर्दू में आमतौर पर यह शब्दों के अन्य स्वरों के साथ मिलकर एक स्वर रूप में आता है। सामान्यत: यह स्वर वर्ण या स्वर सूचक के साथ विलय हो जाता है, जैसे,

(क) प्रारंभ में : औरत (عورت) इ़ज़्ज़त (عزت)

(ख) मध्य में : मालूम (معلوم) बाद (بعد) शोला (شعلہ)

(ग) अंत में : जमा (جمع) मौज़ू (موضوع)

हे (ہ)

हे (ہ) /ह/ का द्योतक है, परन्तु बहुत सी स्थितियों में अंतिम स्थान में मंद रूप से उच्चरित होता है और ह्रस्व स्वर का सूचक बन जाता है, उदाहरणार्थ,

न (نہ) पता (پتہ) बल्कि (بلکہ)

परन्तु जहाँ /ह/ पूरी तरह उच्चरित होता है वहाँ /ह/ के नीचे छोटा हुक लगाया जाता है, उदाहरणार्थ,

कह (کہ) सह (سہ) बह (بہ)

ख़ामोश वाव (ۏ)

ख़े (خ) के बाद आनेवाला वाव (و) केवल फ़ारसी और अरबी से कुछ आए हुए शब्दों में उच्चरित नहीं होता है। इसे वाव के नीचे छोटी रेखा लगाकर व्यक्त किया जाता है, जैसे,

ख़ुश	خوش
ख़ुद	خود
ख़ुर्शीद	خورشید
ख़्वाब	خواب

विशेष रूढ़ियाँ

1. शब्दारंभ में छोटी हे (ہ) + अलिफ़ (ا) को दोहरे हुक के साथ लिखा जाता है, उदाहरणार्थ,

हाथी	ہاتھی

2. काफ़ (ک) अथवा गाफ़ (گ) + अलिफ़ को एक छोटे गोलाकार के साथ लिखा जाता है, उदाहरणार्थ,

काल	کال
गाल	گال

3. लाम (ل) से पहले आने वाले काफ़ (ک) अथवा गाफ़ (گ) भी इसी तरह लिखे जाते हैं, उदाहरणार्थ,

कुल	کُل
गुल	گُل

4. इ + अर्ध स्वर य + स्वर की संघटना में हम्ज़ा की बजाए मध्य में /य/ को व्यक्त करने वाले दो नुक़्ते लगाए जाते हैं, जैसे,

चाहि + ये	چاہیے
दीजि + ये	دیجیے

5. हम्ज़ा (ء) को उ + आ की संघटना में भी नहीं लिखा जाता, उदाहरणार्थ,

हुआ	ہوا
छुआ	چھوا

संख्यांक

1	2	3	4	5	6	7	8	9	0
۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۰

❖ ❖ ❖

उर्दू वर्णमाला एवं उसकी लिप्यंतरण विधि

उर्दू वर्णमाला के 36 वर्णों का परम्परागत क्रम निम्नलिखित है :

नाम	*उर्दू के वर्ण*	*ध्वनि*
अलिफ़	ا	अ/आ
बे	ب	ब
पे	پ	प
ते	ت	त
टे	ٹ	ट
से	ث	स
जीम	ج	ज
चे	چ	च
बड़ी हे	ح	ह
ख़े	خ	ख़
दाल	د	द
डाल	ڈ	ड
ज़ाल	ذ	ज़
रे	ر	र
ड़े	ڑ	ड़
ज़े	ز	ज़
ज़े	ژ	ज
सीन	س	स

शीन	ش	श	
स्वाद	ص	स	
ज़्वाद	ض	ज़	
तोए	ط	त	
ज़ोए	ظ	ज़	
ऐन	ع	भूमिका देखिए	
ग़ैन	غ	ग़	
फ़े	ف	फ़	
क़ाफ़	ق	क़	
काफ़	ک	क	
गाफ़	گ	ग	
लाम	ل	ल	
मीम	م	म	
नून	ن	न	नीचे देखें
वाव	و	व	नीचे देखें
छोटी हे	ہ	ह	नीचे देखें
छोटी ये	ی	य/ई	नीचे देखें
बड़ी ये	ے	य/ए, ऐ	नीचे देखें

अलिफ़ मद

अलिफ़ के ऊपर लगाया चिह्न (~) शब्दारंभ में दीर्घ /आ/ का सूचक है। परन्तु शब्द के मध्य और अंत में अलिफ़ अपने आप में ही दीर्घ /आ/ का सूचक बनता है।

नून गुन्ना, दो चश्मी हे और हम्ज़ा

निम्नलिखित तीन वर्ण, हालाँकि परम्परानुसार उर्दू वर्णमाला में नहीं दर्शाए जाते हैं, लेकिन इनको सीखना आवश्यक है :

1. नून ग़ुन्ना (ں) अर्थात बिना नुक़्ते का नून स्वर की अनुनासिकता का सूचक है, जैसे جاؤں /जाऊँ/; अपितु शब्द के मध्य में अनुनासिकता पूरे नून से दर्शाई जाती है अर्थात नुक़्ते के साथ, जैसे اونٹ /ऊँट/।

2. दो चश्मी हे (ھ) उर्दू का एक विशेष लक्षण है, और यह महाप्राणता का सूचक है, जैसे گھوڑا /घोड़ा/, تھوڑا /थोड़ा/।

3. अरबी में हम्ज़ा कंठ के निचले भाग से उच्चरित होता है परन्तु उर्दू लेखन में इसका प्रयोग आमतौर पर शब्द में प्रयुक्त दो स्वरों के साथ साथ होने का सूचक है। इसके अतिरिक्त उर्दू में इस चिह्न की अपनी अलग से कोई ध्वनि नहीं है।

वाव और ये

वाव (و) छोटी ये (ی) और बड़ी ये (ے) शब्दारंभ में अर्ध स्वर /व/ और /य/ के सूचक हैं, शब्द के अन्य स्थानों में यह दीर्घ स्वरों के सूचक बनते हैं। विवरण के लिए भूमिका देखें।

❖ ❖ ❖

उर्दू वर्णों का क्रम

उर्दू के वर्णों को बहुत सरलता से उनकी समरूपता अनुसार कुछ ही वर्गों में बाँटा जा सकता है, और इनकी भिन्नता नुक़्तों को वर्ण के ऊपर या नीचे लगाने से होती है।

उर्दू के वर्णों को परम्परागत विधि से याद करने के लिए निम्नलिखित क्रम लाभदायक सिद्ध होगा :

ا
अलिफ़

ث	ٹ	ت	پ	ب
से	टे	ते	पे	बे

خ	ح	چ	ج
ख़े	बड़ी हे	चे	जीम

ژ	ز	ڑ	ر	ذ	ڈ	د
ज़े	ज़े	ड़े	रे	ज़ाल	डाल	दाल

ض	ص	ش	س
ज़्वाद	स्वाद	शीन	सीन

ظ	ط
ज़ोए	तोए

غ	ع
ग़ैन	ऐन

ق	ف
क़ाफ़	फ़े

		گ	ک
		गाफ़	काफ़
و	ن	م	ل
वाव	नून	मीम	लाम
	ے	ی	ہ
	बड़ी ये	छोटी ये	छोटी हे

❖ ❖ ❖

अभ्यास

पाठ - 1

1. नीचे उर्दू अक्षरों को बिंदुओ से दिखाया गया है। इन पर पेंसिल चलाइये और लिखते हुए छोटे तीरों की दिशा को ध्यान में रखिए। इन तीरों से बताया गया है कि उर्दू लिखते समय हाथ को कैसे चलाना है। लिखते हुए अक्षरों को ऊँचे स्वर में पढ़ें :

دادا

دادی

آم

دو

2. नीचे के वाक्यों को ख़ाली जगह में लिखें तथा ऊँचे स्वर में पढ़ें :

دادا دو آم دو

دادی دو آم دو

3. नीचे के ख़ानों में [ا] लिखें और शब्द पूरा करें :

داو[ ]　　　　د[ ]دی

दादा　　　　दादी

4. नीचे के ख़ानों में [و] या [ا] लिखकर शब्द पूरा करें:

داو[ ]　　　　د[ ]　　　　آم　　　　و[ ]

5. ख़ानों में [د] लिखें :

دادی　　　　[ ]و　　　　آم　　　　[ ]و

6. [م] लिखें :

دادا　　　　آ[ ]　　　　دو

7. [آ] लिखें :

دادی　　　　[ ]م　　　　دو

8. नीचे के वाक्यों को उर्दू में लिखें :

दादा आम दो

....

दादी दो आम दो

....

दो दो आम दो

....

दादा दो आम दो

....

अभ्यास
पाठ - 2

1. नीचे के शब्दों और वाक्यों पर पेंसिल फेर कर लिखने का अभ्यास करें। तीरों की दिशा को ध्यान में रखें। लिखते समय शब्दों तथा वाक्यों को ऊँचे स्वर में पढ़ें :

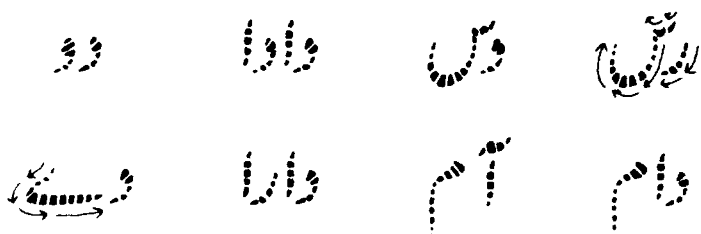

2. ऊपर लिखे शब्दों को ख़ाली जगह में लिखनें का अभ्यास करें :

....

....

3. नीचे दिए गए ख़ाली ख़ानों में मुनासिब अक्षर भरें और वाक्यों को ऊँचे स्वर में पढ़ें :

دا □ ا   □ و   □ م   د □

د □ دی □ م   □ ے   □ و

4. नीचे के वाक्यों को ख़ाली जगह में दोबारा लिखें :

رس دار   آم   دو

دادی   دام   دو

....

....

5. नीचे के शब्दों और वाक्यों को हिन्दी में लिखें :

آم   دام   دار

....

رس   دس   رس دار

....

دارا دادا دادی

....

دارا دس آم دو

....

رس دار آم دے دو

....

6. नीचे के वाक्यों को उर्दू में लिखें :

राम दस आम दो

....

दादा दादी आम दो

....

दादा रसदार आम दे दो

....

अभ्यास
पाठ - 3

1. नीचे के वाक्यों पर पेंसिल फेर कर लिखने का अभ्यास करें। तीरों की दिशा को ध्यान में रखें। लिखते समय वाक्यों को ऊँचे स्वर में पढ़ें :

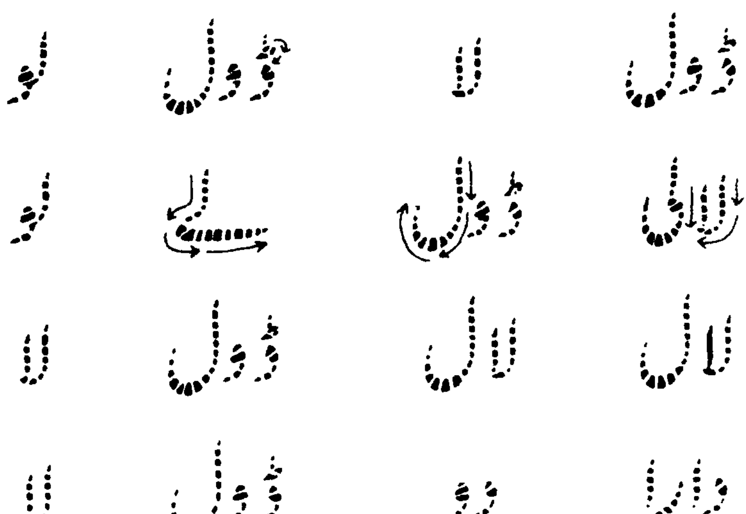

2. ऊपर के वाक्यों को ख़ाली जगह में लिखें और ऊँचे स्वर में पढ़ें :

....

....

....

....

3. नीचे के ख़ानों में ل लिखें और शब्दों को ऊँचे स्वर में पढ़ें :

☐ لا ☐ ڈا ☐ ڈو

4. ख़ानों में ل जोड़ कर शब्द पूरा करें :

...ے ...ا ...ی ...و

5. अक्षरों में لا जोड़ कर शब्द पूरा करें :

ل ☐ ی ☐ لا ☐

6. **नीचे के वाक्यों को हिन्दी में लिखें :**

لا ڈول لا

....

دو ڈول لا

....

لالی ڈول لے

....

دارا دو ڈول لے

....

دادی لال ڈول لا

....

7. नीचे के वाक्यों को उर्दू में लिखें :

लाल डोल लो

....

दादी डोल लो

....

दो डोल लो

....

लाली लाल डोल ला

....

लाली दो डोल ला

....

अभ्यास

पाठ - 4

1. नीचे के शब्दों और वाक्यों पर पेंसिल फेर कर लिखने का अभ्यास करें। तीरों की दिशा को ध्यान में रखें। लिखते समय शब्दों और वाक्यों को ऊँचे स्वर में पढ़ें :

2. ऊपर के शब्दों और वाक्यों को ख़ाली जगह में लिखें और ऊँचे स्वर में पढ़ें :

....

....

....

....

3. ख़ानों में [آ] लिखें और शब्दों को पढ़ें :

پ ☐   ب ☐

4. ख़ानों में [ب] अथवा [پ] लिखें और शब्दों को पढ़ें :

☐ آ   ☐ آ

5. ख़ानों में [ت] लिखें और शब्दों को पढ़ें :

☐ با   ☐ را

6. नीचे के अक्षरों को जोड़कर शब्दों को ख़ाली ख़ानों में लिखें :

[ ] ب ا ب ا	[ ] ب ا
[ ] ت ا ر ا	[ ] پ ا پ ا
[ ] ت ا ل ے	[ ] ت ا ل ا

'. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ें और इन्हें हिन्दी में लिखें :

لا تالا لا

....

تارا تالا لا

....

لالی تالا لا

....

بابا   تا   لے   لا

....

پاپا   تا   لے   لا

....

8. इस पाठ में पढ़े गए कोई चार वाक्य अपनी याद से उर्दू में लिखें :

....

....

....

....

अभ्यास

पाठ - 5

1. नीचे के शब्दों और वाक्यों पर पेंसिल फेर कर लिखने का अभ्यास करें। तीरों की दिशा को ध्यान मे रखें। लिखते समय शब्दों और वाक्यों को ऊँचे स्वर में पढ़ें :

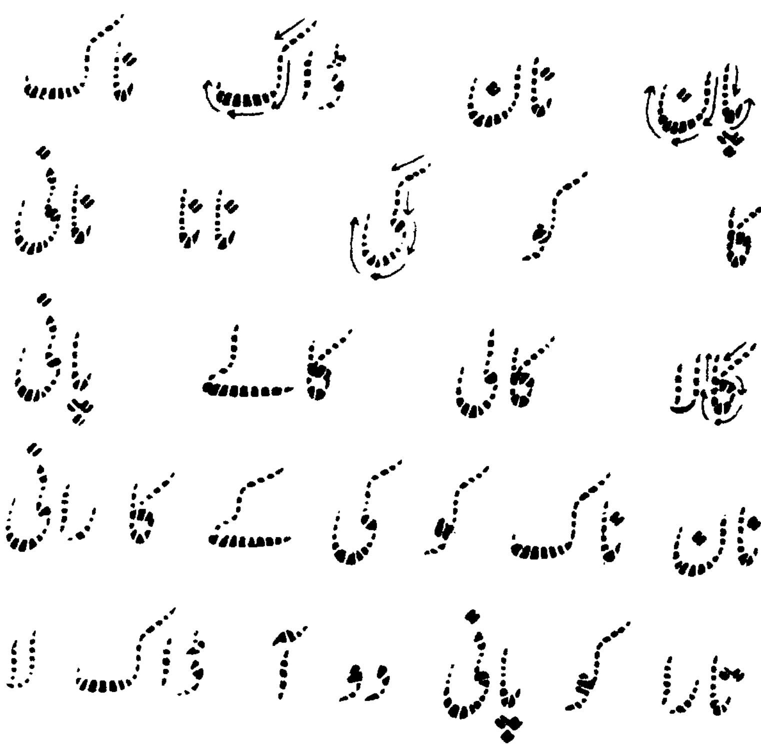

2. ऊपर के शब्दों और वाक्यों को ख़ाली जगह में लिखें और ऊँचे स्वर में पढ़ें :

....

....

....

....

....

3. ख़ानों में ज़रूरी अक्षर भरें और शब्दों को ऊँचे स्वर में पढ़े:

نا□   پا□   □ن   □ن

نا□   □ئی   ڈا□

ڈو□   ڈا□

4. नीचे लिखे अक्षरों को जोड़ें तथा इनको ख़ाली ख़ानों में लिखें :

ک ا ☐ ک و ☐ ک ی ☐

ک ے ☐ ن ا ☐ ن ی ☐

ن ے ☐ ک ا ل ☐ ک ا ل ا ☐

ک ا ل ی ☐ ک ا ل ے ☐

5. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ें और इन्हें ख़ाली स्थान में दोबारा लिखें:

دادا کو پانی دو

....

دادی کو پان دو

....

نانی کو نان دو

....

نانا نانی کو پانی دو

....

6. नीचे के वाक्यों को हिन्दी में लिखें :

تارا آ پان لا

....

نانا کو پانی دو

....

دادا کو نان دو

....

تارا آ ڈاک لا

....

7. इस पाठ में पढ़े गए कोई चार वाक्य अपनी याद से उर्दू में लिखें।

....

....

....

....

अभ्यास
पाठ - 6

1. नीचे के शब्दों और वाक्यों पर पेंसिल फेर कर लिखने का अभ्यास करें। लिखते समय शब्दों और वाक्यों को ऊँचे स्वर में पढ़ें :

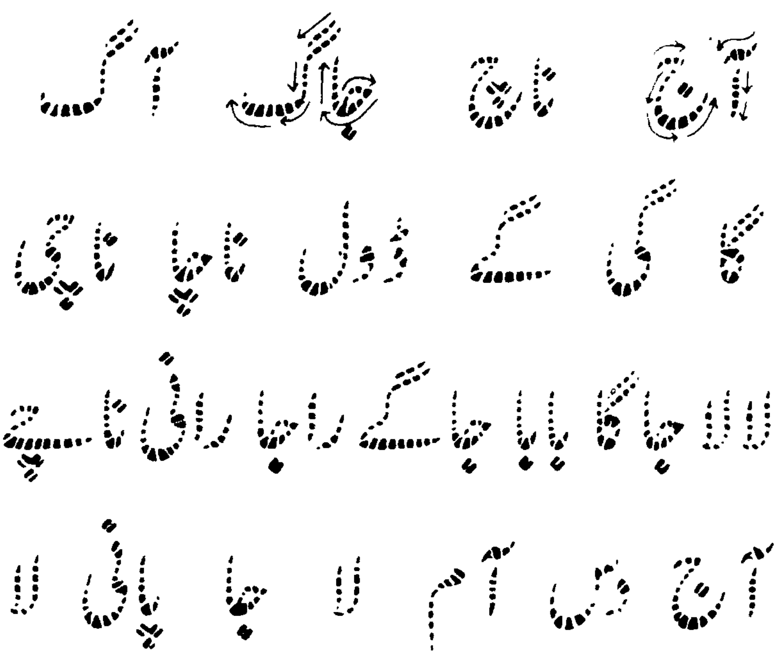

2. ऊपर के शब्दों और वाक्यों को ख़ाली जगह में लिखें और ऊँचे स्वर में पढ़ें।

....

....

....

....

....

3. ख़ानों में [ج] अथवा [چ] भरें और शब्दों को ऊँचे स्वर में पढ़ें :

آ[ ]   [ا...]   گ[ا...]   را[ا...]

4. नीचे के वाक्यों को ख़ाली जगह में दोबारा लिखें :

آ آ آج

....

تارا جاگ جا

....

آج آم لا

....

حاڈول لے آ

....

تارا جا ڈول لے آ

....

5. नीचे के वाक्यों को हिन्दी में लिखें :

راجا گانا گا

....

آ راجا گا

....

راجا ناچا

....

رانی ناچی

....

بابا جاگے پاپا جاگے

....

6. नीचे के वाक्यों को उर्दू में लिखें :

तारा जाग

....

तारा जाग जा

....

तारा ताला ला

....

राजा को नान दो

....

7. इस पाठ में पढ़े गए कोई चार वाक्य अपनी याद से उर्दू में लिखें :

....

....

....

....

अभ्यास

पाठ - 7

1. नीचे के अक्षरों, शब्दों और वाक्यों पर पेंसिल फेर कर लिखने का अभ्यास करें। इन्हें लिखते समय ऊँचे स्वर में पढ़ें :

درزی کپڑے سی کر لایا

ر ڑ کر بیٹا سو سے بازار

سارا کے کپڑے درزی سی کر لایا

درد زرد زردی درزی

ا با لایا گایا

2. ऊपर के अक्षरों, शब्दों और वाक्यों को नीचे ख़ाली जगह में लिखें और ऊँचे स्वर में पढ़ें :

....

....

....

....

....

....

3. नीचे के ख़ाली ख़ानों में ज़रूरी अक्षर लिख कर शब्द पूरा करें और इन्हें ऊँचे स्वर में पढ़ें :

د□　　　ز□　　　ڑ□

در□ی　　　زر□ی　　　ورو□

سا□ا　　　کپڑ□　　　□یا

4. नीचे के वाक्यों को ख़ाली जगह में दोबारा लिखें :

درزی آیا

....

کپڑے لایا

....

نانا کا درزی آیا

....

کپڑے سی کر لایا

....

5. नीचे के शब्दों और वाक्यों में जहाँ जहाँ नुक़्ते नहीं हैं वहाँ आवश्यकतानुसार नुक़्ते लगाकर पूरा करें :

درری   آںا   کڑے   لاںا   بارار

ںابا   ناح

6. शब्दों पर आवश्यकतानुसार जज़्म [ْ] का निशान लगाएँ:

زردی   وردی   درزی

7. इस पाठ में पढ़े गए कोई चार वाक्य अपनी याद से उर्दू में लिखें :

....

....

....

....

अभ्यास
पाठ - 8

1. नीचे के अक्षरों, शब्दों और वाक्यों पर पेंसिल फेर कर लिखने का अभ्यास करें। लिखते समय इन्हें ऊँचे स्वर में पढ़ें :

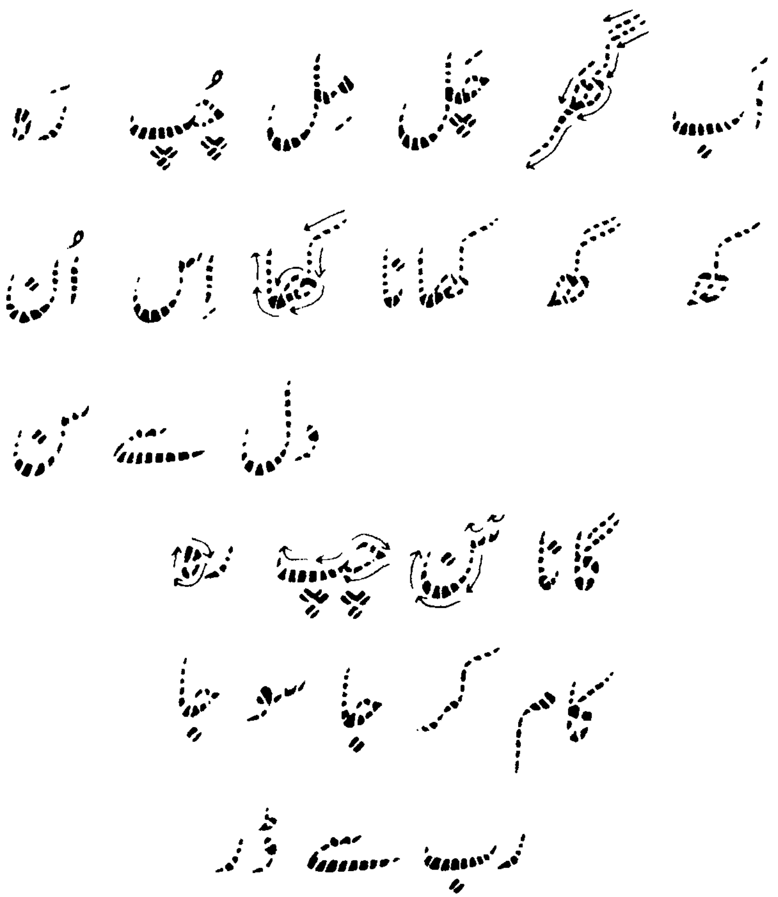

2. ऊपर के अक्षरों, शब्दों और वाक्यों को ख़ाली जगह में लिखें और ऊँचे स्वर में पढ़ें :

....

....

....

....

3. ख़ानों में [کھ] अथवा [گھ] जोड़ कर शब्द पूरा करें तथा ऊँचे स्वर में पढ़ें :

اب [...ر] چل [...ا] نا کھا

[...و] ل [...و] ڑا

4. नीचे के वाक्यों को ख़ाली जगह में दोबारा लिखें :

چل کھانا کھا

....

چپ رہ گانا سن

....

کھانا کھا کر سو جا

....

درزی کپڑے سی کر لایا

....

5. नीचे के वाक्यों को हिन्दी में लिखें :

سارا کام دِل سے کر

....

رب سے ڈر کام کر

....

چل کر سب سے مِل

....

اِن سے مِل کر گھر جا

....

6. नीचे के वाक्यों को उर्दू में लिखें और पढ़ें :

रब से डर

....

गाना सुन कर जा

....

चल चुप रह

....

अब घर चल कर खाना खा

....

मिलजुल कर खाना खा

....

7. इस पाठ में पढ़े गए कोई चार वाक्य अपनी याद से उर्दू में लिखें :

....

....

....

....

अभ्यास
पाठ - 9

1. नीचे के अक्षरों, शब्दों और वाक्यों पर पेंसिल फेर कर लिखने का अभ्यास करें। लिखते समय इन्हें ऊँचे स्वर में पढ़ें :

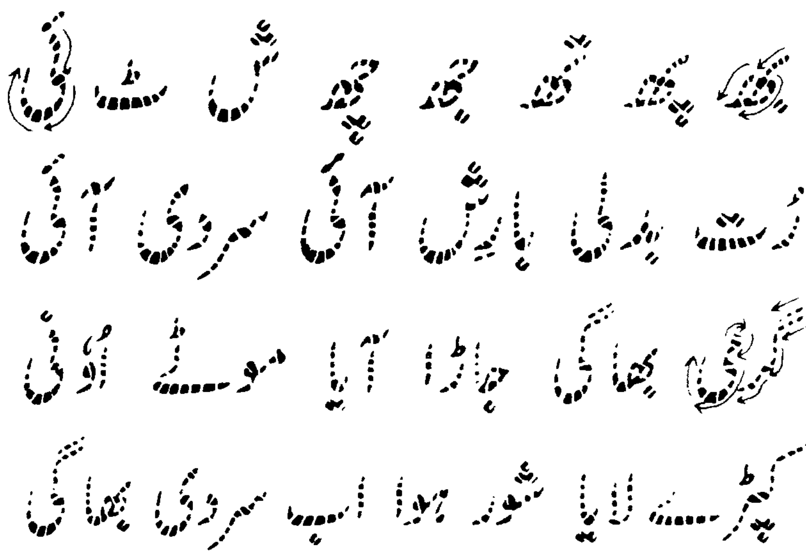

2. ऊपर के अक्षरों, शब्दों और वाक्यों को खाली जगह में लिखें और ऊँचे स्वर में पढ़ें :

....

....

....

....

3. नीचे दिए गए अक्षरों को जोड़ कर ख़ाली ख़ानों में लिखें:

جھ م ☐   تھ ل ☐   ب د ل ی ☐

م و ٹ ا ☐   م و ٹ ے ☐   ہ و ا ☐

ش و ر ☐   س ر ☐   پ ر ☐

جھ ا ڑ و ☐   تھ و ڑ ا ☐   چھ و ٹ ا ☐

4. ख़ाली ख़ानों में उपयुक्त अक्षर लिख कर वाक्य पूरा करें :

سا ☐ آیا

کا ☐ کالے ☐ دل لایا

رِم ☐ رِم ☐ پانی برسا

جَل ☐ جَل ☐ شور ہُوا

گرمی ☐ گی

موٹے ☐ کپڑے لایا

سردی ☐ سردی ☐

5. शब्दों में हम्ज़ा ء को मुनासिब जगह पर लगाएँ :

آی چھای بھای

6. नीचे के शब्दों और वाक्यों को ऊँचे स्वर में पढ़ें और ख़ाली जगह में लिखें :

رِم جھم رِم جھم پانی

برسا بارِش آئی بدلی چھائی

موٹے اؤنی کپڑے لایا سردی

آئی سردی آئی گھر چل

کھانا کھا سو جا

....

....

....

....

7. नीचे के वाक्यों को हिन्दी में लिखें :

ساون آیا بادل لایا

....

رِم جِھم پانی برسا

....

بارش آئی سردی لائی

....

کالے بادل چھائے بارش آئی

....

پانی برسا مور ناچا

....

8. नीचे के वाक्यों को उर्दू में लिखें :

गर्मी भागी

....

फिर रुत बदली

....

जाड़ा आया

....

मोटे ऊनी कपड़े लाया

....

9. इस पाठ में पढ़े गए कोई चार वाक्य अपनी याद से उर्दू में लिखें :

....

....

....

....

अभ्यास

पाठ - 10

1. नीचे के अक्षरों और शब्दों पर पेंसिल फेर कर लिखने का अभ्यास करें। लिखते समय इन्हें ऊँचे स्वर में पढ़ें :

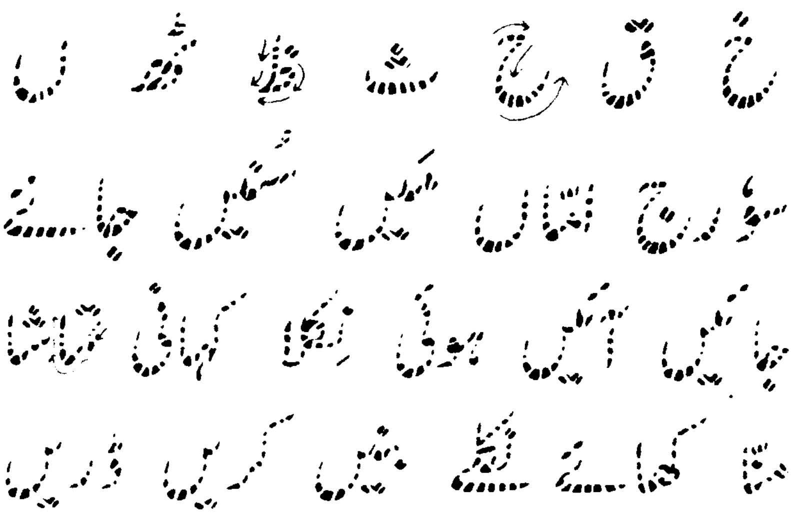

2. ऊपर के अक्षरों और शब्दों को नीचे ख़ाली जगह मे लिखें और ऊँचे स्वर में पढ़ें :

....

....

3. नीचे दिए गए अक्षरों को जोड़कर शब्दों को ख़ाली ख़ानों में लिखें:

☐	ق دُ ر ت	☐	خ د ا
☐	مَ ے ل	☐	نَ ظَ ر
☐	بَ ے ٹھ	☐	زَ ے د
☐	نِ کُ ل ا	☐	نِ کَ ل
☐	تَ م ا ش ا	☐	کَ ہ ا ن ی
☐	د و ن و ں	☐	سُ و ر ج

4. नीचे के वाक्यों को ख़ाली जगह में दोबारा लिखें :

خُدا کی قُدرَت دیکھو

....

وارِث اَور حامِد آئے

....

آگ کے پاس بیٹھ جائیں گے

....

آج نانی امّاں سے کہانی سنیں گے

....

5. नीचे के शब्दों में जहाँ जहाँ नुक़्ते नहीं हैं वहाँ पाठ के अनुसार नुक़्ते लगाकर शब्दों को पूरा करें :

حُدا قُدرٮ نَطَر راٮ

سوُرَح ٮماشا راسے وارِٮ

مں زىد بىٹھ ٮدلی

6. नीचे के वाक्यों को ऊँचे स्वर में पढ़ें और ख़ाली जगह में हिन्दी में लिखें :

سوُرَج ڈوُبا

....

رات ہوئی

....

آسمان پر تارے نکلے

....

آج گھر جائیں گے

....

7. शब्दों पर आवश्यकतानुसार तशदीद [ّ] का निशान लगाएँ :

اَماں اَبا مُنا

8. शब्दों पर आवश्यकतानुसार हम्ज़ा [ء] का निशान लगाएँ:

آے کھاے گاے ہوی آی

بھای جایں کھایں گایں

9. इस पाठ में पढ़े गए कोई चार वाक्य अपनी याद से उर्दू में लिखें :

....

....

....

....

अभ्यास
पाठ - 11

1. नीचे के अक्षरों और शब्दों पर पेंसिल फेर कर लिखने का अभ्यास करें। लिखते समय इनको ऊँचे स्वर में पढ़ें :

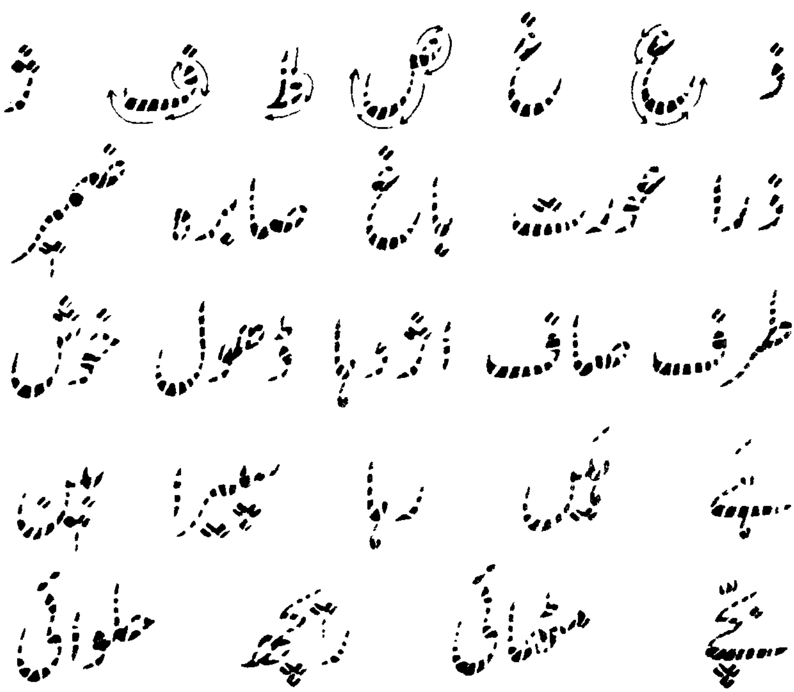

2. ऊपर के अक्षरों तथा शब्दों को नीचे ख़ाली जगह में लिखें और ऊँचे स्वर में पढ़ें :

....

....

....

....

....

3. नीचे के अक्षरों को जोड़े और शब्दों को ख़ाली ख़ानों में लिखें:

ب ج　　ب چ　　ثُ م

ع ور ت　　ہَ ے ل　　ض َم ی ر

ب ی ن　　ر ی چھ　　ط ر ف

ص اف　　ت ی ن　　ص اب ِر ہ

ر ہ ا　　ر ہ ے　　م ے ل ا

4. عورت का बहुवचन عورتیں है। इसी प्रकार नीचे दिए गए शब्दों के बहुवचन ख़ाली ख़ानों में लिखें :

کِتاب ____ چیز ____ بات ____

5. नीचे के ख़ाली ख़ानों में मुनासिब शब्द लिख कर वाक्य पूरा करें :

آج ____ لگا ہے

____ بھی آئی ہے

ڈھول بھی ____ رہا ہے

بچّے جھولا جھول ____ ہیں

بچّے ____ کھا رہے ہیں

6. नीचे के वाक्यों को हिन्दी में लिखें :

رام اور وارث نے ریچھ کا تماشا دیکھا

....

میلے میں ہر طرف چہل پہل ہے

....

بچّے نیلے پیلے لال اور ہرے کپڑے پہنے
ہوئے ہیں

....

بندر کا ناچ دیکھ کر بچّے خوش ہو رہے ہیں

....

7. इस पाठ में पढ़े गए कोई चार वाक्य अपनी याद से उर्दू में लिखें :

....

....

....

....

....

अभ्यास
पाठ - 12

1. नीचे के शब्दों पर पेंसिल फेर कर लिखने का अभ्यास करें। लिखते समय शब्दों को ऊँचे स्वर में पढ़ें :

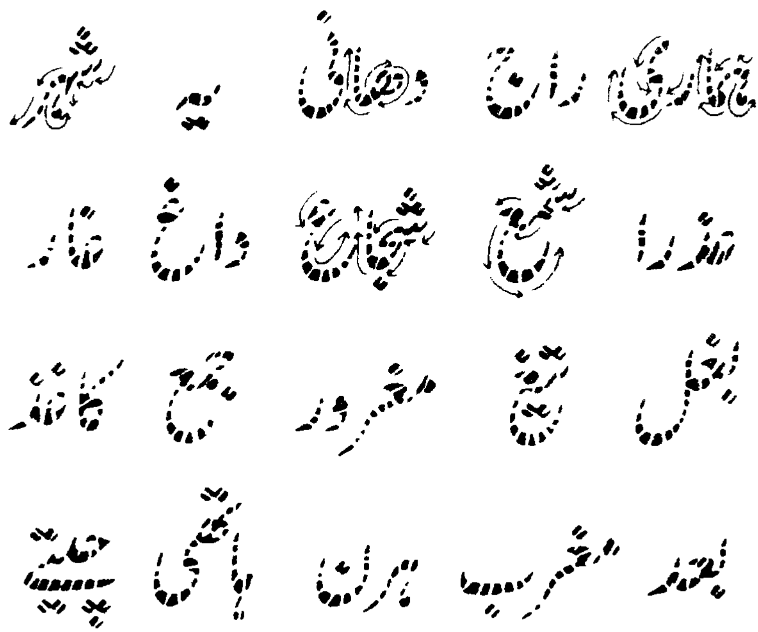

2. ऊपर के शब्दों को नीचे ख़ाली जगह में लिखें और ऊँचे स्वर में पढ़ें :

....

....

....

....

....

....

नीचे के शब्दों को ऊँचे स्वर में पढ़ें और ख़ाली ख़ानों में लिखें :

ش ہ ر ☐ ش م ع ☐ ع ذ ر ا ☐

د ہ ل ی ☐ د ھ ا ن ی ☐ شِ ی ا م ☐

سُ ش م ا ☐ چِ ڑ ی ا ☐ ہ م ا ر ی ☐

گ ء ی ☐ گ ء ے ☐ ی ہ ☐

4. नीचे के वाक्यों को ख़ाली जगह में दोबारा लिखें :

سشما اور شمع چڑیا گھر دیکھنے گئے

....

عذرا اور شیام نے چڑیا گھر میں مور کا
ناچ دیکھا

....

دہلی میں بہت سے باغ ہیں

....

شمع اور عذرا دہلی میں چڑیا گھر کے
پاس رہتی ہیں

....

5. नीचे के वाक्यों को हिन्दी में लिखें :

دہلی بہت بڑا شہر ہے

....

سب نے مل کر دہلی کی سیر کی

....

دہلی کا چڑیا گھر بہت بڑا ہے

....

6. नीचे के शब्दों में आवश्यकतानुसार नुक़्ते लगाकर शब्दों को पूरा करें :

ٮحے   ناح   عریب   سہر   دکھا

7. इस पाठ में पढ़े गए कोई चार वाक्य अपनी याद से उर्दू में लिखें :

....

....

....

....

अभ्यास

पाठ - 13

1. नीचे के शब्दों और वाक्यों पर पेंसिल फेर कर लिखने का अभ्यास करें। लिखते समय इन्हें ऊँचे स्वर में पढ़ें :

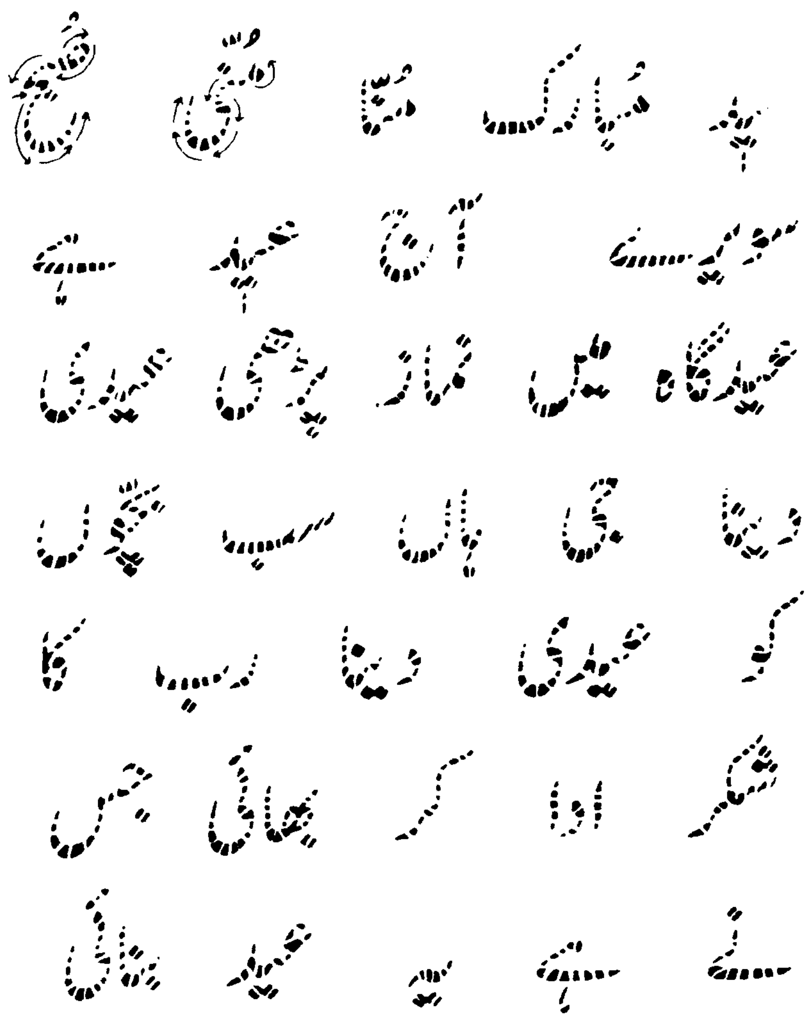

2. ऊपर के शब्दों और वाक्यों को ख़ाली जगह में लिखें और ऊँचे स्वर में पढ़ें :

....

....

....

....

....

....

....

3. नीचे के अक्षरों को जोड़कर शब्दों को ख़ानों में लिखें :

☐	ن م ا ز	☐	س و ے ر ے	☐	ص ُ ب ح
☐	گ ل ے	☐	ع ی د ی	☐	گ ا ہ
☐	ہ ا ل	☐	ش ُ ک ر	☐	پ ڑ ھ ی

4. तशदीद [ّ] लगाकर शब्दों को ख़ाली ख़ानों में लिखें :

بل لی	اَب با	اَم می	مُن نی	مُن نا	بچ چہ
↓	↓	↓	↓	↓	↓
					بچّہ

5. ख़ाली ख़ानों में पाठ के अनुसार मुनासिब शब्द भर कर वाक्यों को पूरा करें :

مُنّا بولا [ ] مُبارک

مَینا [ ] عید مُبارک

بانو کو بھی [ ] دینا

[ ] پڑھی

خُدا کا [ ] ادا کیا

6. नीचे के वाक्यों को ख़ाली जगह में दोबारा लिखें :

توتا بولا عید مبارک

....

سب لوگ گلے ملے

....

بچّوں نے بڑوں کو سلام کیا

....

بڑوں نے بچّوں کو عیدی دی

....

بچّوں نے دادا دادی کو عید مبارک کہا

....

7. नीचे के वाक्यों को हिन्दी में लिखें :

آج عید ہے سب لوگ عیدگاہ گئے

....

نماز پڑھی سب نے، ادا کیا شکر خدا کا

....

دادا دادی نانا نانی کو سب نے کہا عید مبارک

....

8. इस पाठ में पढ़े गए कोई चार वाक्य अपनी याद से उर्दू में लिखें :

....

....

....

....

अभ्यास

पाठ - 14

1. नीचे उर्दू वर्णमाला दी गई है इसे इसी तरतीब से याद करें:

ا

ب پ ت ٹ ث

ج چ ح خ

د ڈ ذ

ر ڑ ز ژ

س ش ص ض

ط ظ ع غ

ف ق ک گ

ل م ن و

ہ ی ے

2. नीचे के अक्षरों में जहाँ जहाँ नुक़्ते नहीं हैं वहाँ आवश्यकतानुसार नुक़्ते लगाएँ :

ب ← ب

ٮ ٮ ٮ ٮ ٮ

ح ح ح ح

د د د

ر ر ر ر

س س ص ص

ط ط ع ع

ڡ ٯ ل ل

नोट : س और ش को ســـ और شـــ के रूप में भी लिखा जाता है।

3. नीचे के अक्षरों को उर्दू में ख़ाली ख़ानों में लिखें :

भ	ध	ल्ह
फ	ढ	म्ह
थ	न्ह	
ठ	ढ़	
झ	ख	
छ	घ	

4. नीचे के शब्दों पर ज़बर, ज़ेर या पेश लगाएँ :

اب تب جب کب

اس ان دن گن

اس ان سن بن

5. नीचे के शब्दों में | و | पर आवश्यकतानुसार स्वर चिह्न लगाएँ :

مور   اون   اور

ڈھول   جھولا   عورت

6. नीचे के शब्दों में | ی | और | ے | पर आवश्यकतानुसार मुनासिब स्वर चिह्न लगाएँ :

شیر   نیلا   سیر

سپیرا   بین   مینا

7. नीचे लिखे शब्दों में आवश्यक स्थान पर तशदीद | ّ | लगाएँ और इनको ख़ाली जगह में लिखने का अभ्यास करें:

ابا   امی   بلی

....

8. नीचे दिए गए शब्दों में तनवीन ً का प्रयोग बताया गया है। इन शब्दों को ऊँचे स्वर में पढ़ें और ख़ाली जगह में लिखें :

فوراً　　　مجبوراً　　　اتفاقاً

....

अभ्यास
पाठ - 15

1. नीचे ख़ाली जगहों में छुटे हुए शब्द लिखें :

سارے .... سے .... ہندوستاں ہمارا

ہم بلبلیں .... اس کی یہ .... ہمارا

پربت .... سب سے .... ہمسایہ .... کا

وہ .... ہمارا .... پاسباں ہمارا

.... نہیں سکھاتا .... میں .... رکھنا

ہندی .... ہم وطن ہے .... ہمارا

2. इस तराने को अच्छी तरह से याद करें :

سارے جہاں سے اچھا ہندوستاں ہمارا
ہم بُلبُلیں ہَیں اِس کی یہ گُلستاں ہمارا

پَربَت وُہ سب سے اُونچا ہمسایہ آسماں کا
وُہ سنتری ہمارا وُہ پاسباں ہمارا

مَذہَب نہیں سِکھاتا آپس میں بَیر رکھنا
ہِندی ہَیں ہم وَطن ہے ہندوستان ہمارا

❖ ❖ ❖

उर्दू वर्णों के विभिन्न आकारों की तालिका

नाम	*वर्ण*	*पूर्व*	*मध्य*	*अंत-संयुक्त*	*अंत-असंयुक्त*	*ध्वनि*
अलिफ़	ا	آم	تام	تاتا	دارا	अ/आ
बे	ب	بابا	سبب	سب	آب	ब
पे	پ	پاپا	کپڑا	گپ	آپ	प
ते	ت	تارا	بتا	گت	بات	त
टे	ٹ	ٹال	مٹا	مٹ	ٹاٹ	ट
से	ث	ثابت	کثیر	بحث	وارث	स
जीम	ج	جاگ	بجا	بج	آج	ज
चे	چ	چاچا	بچا	بچ	ناچ	च
बड़ी हे	ح	حامد	محمود	صلح	نکاح	ह
ख़े	خ	خالی	مختلف	میخ	سوراخ	ख़
दाल	د	درزی	بدلنا	بد	درد	द
डाल	ڈ	ڈول	سڈول	ٹھنڈ	لاڈ	ड
ज़ाल	ذ	ذرا	عذرا	تعویذ	محاذ	ज़
रे	ر	رات	کرنا	کر	کار	र
ड़े	ڑ	☆	کپڑے	جڑ	پہاڑ	ड़
ज़े	ز	زید	عزیز	چیز	باز	ज़
झ़े	ژ	ژالہ	مژگاں	☆پژ	ژاژ	झ़
सीन	س	سورج	کسنا	کس	دس	स

शीन	ش	شور	بشیر	بخش	بارش	श
स्वाद	ص	صابر	تحصیل	شخص	خاص	स
ज्वाद	ض	ضروری	وضو	فیض	حوض	ज़
तोए	ط	طرح	خطا	خط	شرط	त
ज़ोए	ظ	ظاہر	نظم	لفظ	الفاظ	ज़
ऐन	ع	عورت	بعد	شمع	شجاع	स्वर-जैसा
ग़ैन	غ	غریب	بغل	تیغ	باغ	ग़
फ़े	ف	فائدہ	نفع	صف	صاف	फ़
क़ाफ़	ق	قدرت	تقدیر	شفق	فاروق	क़
काफ़	ک	کالا	نکلا	ایک	ناک	क
गाफ़	گ	گانا	لگا	سگ	ساگ	ग
लाम	ل	لال	جلنا	جل	جال	ल
मीम	م	مبارک	نماز	شمیم	دام	म
नून	ن	نان	سنا	سن	پان	न
वाव	و	وادی	کورا	کو	دو	व/ओ☆☆
छोटी हे	ہ	ہوتا	کہنا	کہہ/کہ	رہ	ह
छोटी ये	ی	یاد	میل	رانی	وادی	य/ई
बड़ी ये	ے	یاد	میرا	آگے	گائے	य/ए☆☆

☆ शब्द का भाग।

☆☆ देखें भूमिका।

नोट : वर्ण का अंत-असंयुक्त आकार वर्ण के बुनियादी रूप के समान ही होता है।

उर्दू के स्वरों की तालिका

	नाम	*चिह्न*	*पूर्व*	*मध्य*	*अंत्य*	*ध्वनि*
1.	अलिफ़	آ	آج	دام	دادا	आ
2.	ज़बर	ـَ	اَب	مَرَض	☆	अ
3.	ज़ेर	ـِ	اِس	کِھل	☆	इ
4.	पेश	ـُ	اُس	بُلبُل	☆	उ
5.	वाव	و	اوس	توتا	جو	ओ
6.	वाव	وُ	اوُن	جھوُلا	جوُ	ऊ
7.	वाव	ـَو	اَور	دَولت	جَو	औ
8.	ये	یِ	اِینٹ	مِیرا	نانی	ई
9.	ये	ے	ایک	میرا	تالے	ए
10.	ये	ـَے	اَیسا	مَینا	ہَے	ऐ

नोट : शब्दारंभ में वाव और ये क्रमशः अर्धस्वर /व/ और /य/ के सूचक हैं, जैसे /वहाँ/ (وہاں) /यहाँ/ (یہاں)

❖ ❖ ❖

विराम चिह्न आदि और विशेषक चिह्न

1. लेखन संबंधी विशेषक चिह्नों के लिए पाठ-14 देखिए।

2. अधिकतर अन्य विशेषक चिह्न अँग्रेज़ी की तरह हैं।

۔ पूर्ण विराम का सूचक

، अर्ध विराम का सूचक

؟ प्रश्न चिह्न

ء ईस्वी कैलेंडर का सूचक

ھ हिजरी अर्थात इस्लामी कैलेंडर का सूचक

ﷺ हज़रत मुहम्मद के लिए प्रयुक्त आदरसूचक अरबी सूक्ति का संक्षिप्त रूप

؏ अन्य पैग़म्बरों के लिए प्रयुक्त आदरसूचक अरबी सूक्ति का संक्षिप्त रूप

رض हज़रत मुहम्मद के साथियों एवं सम्बंधियों के लिए प्रयुक्त आदरसूचक अरबी सूक्ति का संक्षिप्त रूप

رح दिवंगत वलियों और सूफ़ियों के लिए प्रयुक्त आदरसूचक अरबी सूक्ति का संक्षिप्त रूप

ـــ कवियों के उपनाम का सूचक

❖ ❖ ❖

Books for Urdu Diploma Course

English Medium

- Urdu for All
  An Introduction to Urdu Script

- Ibtedai Urdu

- Intekhab-e-Nasr-e-Urdu

- Aasan Urdu Shairi

Hindi Medium

- उर्दू सबके लिए
  उर्दू लिपि से परिचय

- इब्तिदाई उर्दू

- इन्तेख़ाब–ए–नस्र–ए–उर्दू

- आसान उर्दू शाईरी

कौमी काउंसिल बराए फरोग़-ए-उर्दू ज़बान

قومی کونسل برائے فروغ اردو زبان

National Council for Promotion of Urdu Language

(Ministry of HRD, Department of Higher Education, Govt. of India)

West Block-1, Wing No.6, R.K. Puram, New Delhi-110066